भारत निर्वाचन आयोग

निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली -110001

सं.ईसीआई/प्रेस नोट/54/2018 दिनांक: 3 अगस्त, 2018

<u>प्रेस नोट</u>

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आईएएस सहायक सचिवों के लिए निर्वाचन प्रबंधन पर पहली कार्यशाला का आयोजन

भारत निर्वाचन आयोग ने आज नई दिल्ली में वर्ष 2016 बैच के आईएएस अधिकारियों के लिए एक दिवसीय अभिमुखी कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला का उद्देश्य सहायक सचिवों को निर्वाचन प्रबंधन के सभी पहलुओं से परिचित करवाना था इससे पहले कि उनसे शीघ्र ही अपनी क्षेत्रीय तैनाती के दौरान निर्वाचन आयोजित करने में महत्वपूर्ण कार्य संभालने की अपेक्षा का जाए।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ओ. पी. रावत वर्ष 2016 बैच के आईएएस अधिकारियों को संबंधित करते हुए

युवा अधिकारियों को संबोधित करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ओम प्रकाश रावत ने उन्हें आईएएस अकादमी के थीम गीत " हओ धरमेते धीर, हओ करोमेते बीर, हओ उन्नगतो शिर--नाहि भॉय अर्थात् " रहो धर्म में धीर, रहो कर्म में वीर, रखो उन्नत शिर–डरो ना") की याद दिलाई और उन्हें आने वाले दिनों में निडरता से अपनी ज़िम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए प्रोत्साहित किया। विभाजन उपरान्त की परिस्थितियों में निर्वाचक नामावली को किस प्रकार श्रमसाध्य रुप में संकलित किया जाता था, उसके शुरुआती इतिहास को याद करते हुए श्री रावत ने अधिकारियों को अवगत कराया कि भारत ने अब प्रभावी और शांतिपूर्ण निर्वाचन आयोजित करने में निर्विवाद अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा प्राप्त की है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने अधिकारियों से नई चुनौतियों जैसे डाटा हार्वेस्टिंग; लक्षित संदेश भेजना तथा प्रोफाइलिंग; धन और मीडिया प्रभाव का सामना करने के लिए भी तैयार रहने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को सभी हितधारकों को सुविधा

प्रदान करने लेकिन बिना लापरवाही के और मजबूती से अनुशासन लागू करने के लिए सलाह दी और उन्हें आश्वासन दिया कि आयोग कानून की मर्यादा बनाए रखने वाले अधिकारियों का हमेशा साथ देगा।

निर्वाचन आयुक्त श्री अशोक लवासा ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए भारत के लोगों को सर्वोत्तम संभव सेवाएं प्रदान करने के लिए कष्टकर परिस्थितियों में भी न्यायसंगत निर्णय सुनिश्चित करने के लिए निष्पक्षता और तटस्थता के मूल्यों को दोहराया। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की उनकी क्षमता सहित, कार्यशाला में आज दिए गए सभी नियमों/सूचनाओं का व्यावहारिक अनुप्रयोग उन्हें तब अच्छी स्थिति में रखेगा जब उन्हें फील्ड में मतदाताओं के साथ आयोग का चेहरा बनना होगा।

वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त श्री उमेश सिन्हा ने इंगित किया कि इस ओरिएंटेशन के द्वारा आयोग ने एक बहुत ही सही पहल की है। अपने सेवा काल के शुरुआत में ही निर्वाचन आयोग की कार्यात्मक जानकारी से उन्हें वास्तविक जीवन संबंधी परिस्थितियों का प्रभावी रुप से सामना करने में ममद मिलेगी।

कार्यशाला के प्रतिभागियों के साथ मुख्य निर्वाचन आयुक्त, निर्वाचन आयुक्त तथा भारत निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ अधिकारी

सम्पूर्ण दिवसीय कार्यक्रम में आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा लिए गए सत्रों में निर्वाचन योजना पर्यवेक्षकों की तैनाती, व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और निर्वाचकीय सहभागिता (स्वीप) गतिविधियां, निर्वाचक नामावलियों को तैयार करने की प्रक्रिया, मतदान केन्द्र प्रबंधन, निर्वाचन प्रक्रिया में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग और विधिक ढांचे का ज्ञान संबंधी विषय शामिल थे।

इन सत्रों में ईसीआई की आदर्श आचार संहिता, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों और वीवीपीएटी के मामलों का प्रबंधन, व्यय प्रबंधन और मीडिया एंव सोशल मीडिया से जुड़े पहलुओं पर मुख्य निर्देशों और दिशानिर्देशों संबंधी जानकारी शामिल थी।

(पवन दीवान)
अवर सचिव